हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 जून 2024

11 बाइस दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर संपन्न

12 पंजाबी सभा ने लगाया निःशुल्क मेडिकल जांच कैंप

खबर संक्षेप

कोचिंग सेंटर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। शहर के खैरपुर क्षेत्र में एक कोचिंग सेंटर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी हो गई। पुलिस को दर्ज करवाई शिकायत में जींद जिला के गांव सरफाबाद निवासी मनजीत सिंह ने बताया कि वह साक्षात्कार की कोचिंग के लिए सिरसा आया हुआ था। बीती 21 जून की सुबह वह कोचिंग सेंटर गया था। मोटरसाइकिल सेंटर के बाहर खड़ी कर वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद आया तो मोटरसाइकिल गायब मिली। उसने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुनील फुलिया बने लायंस क्लब आस्था के प्रधान

सिरसा। लायंस क्लब सिरसा आस्था की बैठक डबवाली रोड स्थित एक निजी होटल में हुई जिसकी अध्यक्षता प्रधान प्रदीप बजाज ने की। बैठक में वर्ष 2024-2025 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें सुनील फुलिया को प्रधान, हरबंस कामरा को सचिव, बलविंद्र सिंह औलख को कोषाध्यक्ष, गुरभेज देओल को उपप्रधान, राजेश नरूला को उप सचिव, प्रदीप बजाज को उप कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जाखल अनाज मंडी से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने जाखल अनाज मण्डी से एक मोटर साइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में गांव चांदपुरा निवासी मक्खन सिंह ने कहा है कि वह अनाज मण्डी जाखल में एक दुकान पर काम करता है। गत दिवस सुबह वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर जाखल दुकान पर आया। उसने मोटरसाइकिल को दुकान के बाहर खड़ा किया और अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब थी।

जिले से दो युवतियां सहित तीन लोग लापता

फतेहाबाद। जिले में अलग-अलग स्थानों से एक दो युवतियों सहित तीन लोगों के लापता होने का समाचार है। इस बारे शहर फतेहाबाद पुलिस को दी शिकायत में गांव भोड़ियाखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी बहन 12वीं कक्षा में सरकारी स्कूल में पढ़ती है। वह रात को करीब 11 बजे घर से चली गई और वापस नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस बारे पुलिस ने केस दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। दूसरे मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने इन्द्रपुरा मोहल्ला निवासी महबूब की शिकायत पर उसके लड़के खुशनसीब के लापता होने बारे केस दर्ज किया है।

हार से समीक्षा कर रही भाजपा विधानसभा चुनावों में नए रूप से उतरने की तैयारी में

लोस में मिली रोमांचक जीत से फूले नहीं समा रहे कांग्रेसी

रतिया विधानसभा में इस बार भी कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा

रतिया। सुनीता दुग्गल, लक्ष्मण नापा, जरनैल सिंह व सुरेन्द्र वर्तिया।

विपिन चावला ▶▶ रतिया

लोकसभा चुनाव के बाद अब सभी राजनीतिक पार्टियों ने हरियाणा में करीब चार माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। रतिया विधानसभा में इस बार भी कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा क्योंकि प्रदेश में भाजपा के सत्ता में होने के बावजूद भी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को रतिया से हार का मुंह देखना पड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली जीत के बाद यहां के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है तो वही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मंथन बैठक करके हार के कारणों पर चर्चा कर रहे है। प्रत्येक बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग मुद्दों पर लड़ा जाता है। आमजन में यह भी चर्चा है कि लोकसभा चुनाव में सभी पार्टियों के कार्यकर्ताओं में एकजुट होकर लड़ा था लेकिन विधानसभा चुनाव में स्थिति इसके विपरीत होगी क्योंकि विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों के पास अनेक नेता टिकट के दावेदार है। टिकट एक नेता को मिलनी है। ऐसे में टिकट न मिलने पर पार्टी में घमासान के हालात हो सकते हैं, जो चुनावी नतीजे पर भी काफी असर डालते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद क्षेत्र में यह आम चर्चा है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार सुनीता दुग्गल रतिया विधानसभा से करीब 40 हजार वोटों से जीती थी लेकिन 2024 का चुनाव में करीब 36 हजार वोटों से भाजपा उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा है। 2019 और 2024 के लोस चुनावों की तुलना करें तो रतिया विधानसभा में भाजपा को 80 हजार वोट पीछे चली गई है। इस बार भाजपा उम्मीदवार को मिलने वाले 56 हजार वोटों में अनेक वोट प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भी भाजपा उम्मीदवार को मिले थे, जोकि विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को मिलने की संभावना काफी कम है। इसके चलते आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के माथे पर चिंता के लकीरें देखने को मिल रही है। विधानसभा चुनावों को नजदीक देखकर मौजूदा भाजप विधायक ने लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद विधानसभा क्षेत्र में अपनी सक्रियता भी काफी बढ़ा दी है।

बलियाला और दुग्गल भी प्रमुख दावेदारों में

लोकसभा चुनाव में रतिया के लोगों ने भाजपा के खिलाफ जनादेश दिया हो तथा मौजूदा विधायक भी भाजपा का होने के बावजूद क्षेत्र से दर्जनों नेता टिकट की कतार में लगे हुए हैं। अगर भाजपा में मुख्य उम्मीदवार की बात करें तो विधायक लक्ष्मण नापा सिटिंग विधायक होने के चलते मुख्य दावेदार है। विधायक नापा के अलावा हरियाणा अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के चेयरमैन रविंद्र बलियाला और लोकसभा की टिकट कटने के बाद विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना पर काम कर रही पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल भी रतिया विधानसभा से भाजपा टिकट की प्रबल दावेदार है क्योंकि पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने 2014 में रतिया विधानसभा से ही अपने राजनीतिक कैरियर की शुरुआत की थी। उस दौरान सुनीता दुग्गल मात्र 453 वोटों से ही विधानसभा चुनाव हारी थी।

कांग्रेस में टिकट दावेदारो की लंबी लाइन

रतिया विधानसभा से कांग्रेस पार्टी की बात करें तो लोकसभा चुनाव में जीत से उत्साहित कांग्रेस में भी इस बार टिकट के दावेदारों की लंबी कतार है। मुख्य रूप से इस बार नवनियुक्त सांसद कुमारी शैलजा के समर्थक एवं बाजीगर समाज के नेता सुरेंद्र वर्तिया, मंगत राम लालवास तथा हुड्डा गुट से पूर्व विधायक जरनैल सिंह प्रमुख दावेदार हैं। लोकसभा चुनाव के बाद जिला परिषद की पूर्व वाइस चेयरमैन नीटू गिल की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से बढ़ती नजदीकी उन्हें दावेदारों की कतार में खड़ी कर रही है

इनेलो का भी गढ़ रही है रतिया विस

रतिया विधानसभा से अगर इनेलो की बात करें तो पूर्व सांसद आत्मा सिंह के बेटे गुरदीप गिल, पूर्व मंत्री रामस्वरूप रामा, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष अंग्रेज सिंह, धानक समाज के रमेश लाली टिकट के लिए ताल ठोक रहे हैं। रतिया विधानसभा में आम आदमी पार्टी, जननायक जनता पार्टी और बसपा का जनाधार फिलहाल सिमटा हुआ नजर आता है। हालांकि अभी चुनाव में समय है और इस दौरान अनेक उम्मीदवार एक-दूसरे की पार्टी में शामिल होकर दावेदारी दिखाई भी नजर आएंगे क्योंकि आजकल के चुनाव मुद्दों के साथ-साथ जाति के आधार पर भी लड़े जाते हैं इसलिए अभी राजनीतिक पार्टियों जातिगत कारणों में फिट बैठते उम्मीदवार को ही टिकट देना पसंद करती है। आने वाले चुनाव से पहले सभी उम्मीदवारों को अपनी अपनी पार्टियों में टिकट पाने की जंग को भी जीतना होगा इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी पार्टी किस उम्मीदवार पर भरोसा कायम करते हुए उसे अपना उम्मीदवार बनाती है।

शराब तस्करों के खिलाफ फतेहाबाद पुलिस का विशेष अभियान, 28 को किया गिरफ्तार

- पुलिस ने गिरफ्तारी शुरू कर कार्रवाही की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए जिला फतेहाबाद पुलिस ने जिलेभर में छापेमारी कर 28 लोगों को शराब सहित गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार भट्टूकलां पुलिस ने अपने घर के सामने शराब बेचते साहब सिंह निवासी नजदीक प्राचीन हनुमान मंदिर को 12 बोतल ठेका शराब देसी व विनोद कुमार निवासी गंजा रूपाणा जिला सिरसा को 13 बोतल ठेका शराब देसी, भूना पुलिस ने राजकुमार उर्फ राजू निवासी वार्ड नं. 8 भूना को 15 बोतल ठेका शराब देसी, शहर फतेहाबाद पुलिस ने स्वामी नगरी निवासी विक्रम सिंह उर्फ विक्की को मिनी बाईपास से 15 बोतल शराब, आजाद नगर फतेहाबाद के अंकुर को 13 बोतल शराब, बोबी निवासी अशोक नगर फतेहाबाद को 18 बोतल शराब तथा विक्की निवासी मातूराम कालोनी फतेहाबाद को 18 बोतल शराब सहित गिरफ्तार किया है।

इन स्थानों पर मिली शराब की बोतलें

इसके अलावा शहर रतिया पुलिस ने शेर सिंह निवासी नजदीक गऊशाला, रतिया को 13 बोतल शराब, कार सवार दो युवकों कृष्ण कुमार निवासी ढांड जिला हिसार व साहिल निवासी सदलपुर को काबू कर इनके पास से कुल 240 बोतल शराब, अजय कुमार निवासी अरोड़ा कालोनी रतिया को 13 बोतल शराब, शहर टोहाना पुलिस ने स्कूटी सवार संदीप कुमार उर्फ काका निवासी ऑफिसर कालोनी टोहाना को 23 बोतल शराब, गुप्ता कालोनी टोहाना के नीरज को 15 बोतल शराब, जाखल पुलिस ने कुलदीप सिंह निवासी बलरां रोड जाखल को 15 बोतल शराब सहित गिरफ्तार किया। सदर फतेहाबाद पुलिस ने ढाणी ढाका निवासी विनोद को 15 बोतल शराब, कपिल कुमार निवासी बड़ोपल को 28 अध्धे व 10 बोतल शराब, जयवीर निवासी शहीदांवाली को 14 बोतल शराब, राममूर्ति निवासी सौत्र भट्टू को 15 बोतल शराब, विक्रम निवासी भूथनकलां को 13 बोतल शराब, सदर रतियां पुलिस ने दर्शन सिंह निवासी चोटियां जिला मानसा, पंजाब को बीराबदी गांव के पास से 42 बोतल शराब, जोगेन्द्र सिंह निवासी महमड़ा को 300 लीटर लाहन व सवा 2 बोतल नाजायज शराब, गुरचरण सिंह उर्फ चन्नी निवासी महमड़ा को 150 लीटर लाहन व 8 बोतल शराब, अमरीक सिंह निवासी महमड़ा को 150 लीटर लाहन व 11 बोतल शराब सहित गिरफ्तार किया है।

खाटू श्याम मंदिर ओढ़ा में 6वां मूर्ति स्थापना दिवस 24 जून को

ओढां। श्री खाटू श्याम मन्दिर में 24 जून 2024 दिन सोमवार को 6वां मूर्ति स्थापना दिवस श्रद्धापूर्वक व धूमधाम से मनाया जाएगा। जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी रामकिशन रामू ने बताया कि ग्रीन मार्केट ओढ़ा में स्थित मंदिर में 24 जून 2018 को बाबा खाटू श्याम की मूर्ति स्थापित की गई थी। 24 जून दिन सोमवार को सुबह 5 बजे बाबा के स्वरूप को विधिपूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ स्नान करवाकर नए वस्त्र धारण करवाए जाएंगे। इसके बाद 8 बजे हवन यज्ञ करवाया जाएगा और 10 बजे बाबा का अटूट भंडारा शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि रात को मंदिर में बाबा खाटू श्याम का जागरण करवाया जाएगा जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार दीपक दिवाना चंडीगढ़ वाले सुन्दर सुन्दर भजनों से बाबा का गुणगान करेंगे।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने के लिए शिविर आयोजित

- रेडक्रॉस की ओर से 150 से अधिक दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने के लिए किया गया चिन्हित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। पटवार भवन में जिला के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने के लिए पैमाइश करते रेडक्रॉस व एल्मिको के अधिकारी।

उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष राहुल नरवाल के दिशा निर्देशानुसार एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा एडिप योजना के अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, मोहाली के सहयोग से जिला के दिव्यांगजनों को सहायक एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने के लिए पटवार भवन में दिव्यांगजन निःशुल्क पैमाइश शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 से अधिक दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने के लिए चिन्हित किया गया, जिन्हें निकट भविष्य में रेडक्रॉस की ओर से यह सहायक एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस शिविर में एल्मिको की ओर से आई हुई टीम द्वारा दिव्यांगजनों को कान की मशीन, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कृत्रिम अंग, कैलीपर, मोटराइजड ट्राइसाइकिल आदि कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने के लिए पैमाइश की गई। इस मौके पर एल्मिको कंपनी मोहाली से ऑफिसर इंचार्ज अशोक साहू, डॉ. तुषार, दयानंद, जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल, उपाधीक्षक सुरेंद्र चुघ, राजीव भाटिया सहित रेडक्रॉस सोसायटी की टीम व बड़ी संख्या में जिला के दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

दूल्हा पक्ष ने बारातियों को उपहार में दिए पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिलवाया संकल्प

डबवाली। डबवाली उपमंडल के गांव चौटाला क्षेत्र के एक निजी रिसोर्ट में हुई एक शादी अचानक चर्चा का विषय बन गई। दरअसल इस शादी समारोह में दूल्हे की बारात में आये हुए सभी रिश्तेदारों को मिठाई के डिब्बे के साथ एक-एक फलदार व छायादार पौधा रिटर्न गिफ्ट के रूप में वितरित किया गया। आयोजन में दूल्हे जगजीत सिंह पुत्र मेजर सिंह व दुल्हन अमनदीप कौर पुत्री मक्खन सिंह ने अपने हाथों से मेहमानों को यह उपहार वितरित किए। आयोजन में दूल्हे पक्ष की तरफ से उपस्थित कार्यक्रम के प्रेरक नाजम सिंह ने बताया कि पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए हम ऐसे खुशी के मौके पर इस प्रकार की मुहिम चलाकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे खुद गुरुद्वारा सिंह सभा, संगरिया के हैड कैशियर के तौर पर सेवारत्त है और गुरुघर में होने वाले हर समागम में प्रशाद के रूप में पौधे वितरित किये जाते है।

अनाजमंडी में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

- रेहड़ियों व दुकानों के आगे रखा सामान से बना अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

भट्टूकलां। मार्केट कमेटी गेट पर दुकानदार द्वारा लगाए गए वाटर कूलर को हटाते कमेटी कर्मचारी।

भट्टूकलां अनाजमंडी व टेलरों वाली गली में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया। मार्केट कमेटी सचिव महाबीर सैनी के नेतृत्व में मार्केट कमेटी क्षेत्र में सड़कों पर लगने वाली सब्जी की रेहड़ियों, चाय के खोखों व दुकानों के आगे रखा सामान जिससे सड़कों पर अतिक्रमण बना हुआ था, उन्हें हटाने का काम किया गया। इस दौरान एएसआई सुरेश कुमार के नेतृत्व में काफी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा। मार्केट कमेटी सचिव ने पिछले कई दिनों से अनाजमंडी में बने अतिक्रमण को हटाने के लिए अतिक्रमणकारियों को सूचना दे रखी थी, लेकिन बार -बार कहने के बावजूद भी कब्जाधारी टस से मस नही हो रहे थे। जिस पर अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया। मार्केट कमेटी कार्यालय के मैन गेट पर एक दुकानदार ने वाटर कूलर लगाकर अतिक्रमण किया हुआ था। सबसे पहले इस वाटर कूलर को हटवाया गया। इसके बाद टेलरों वाली गली में दुकानदारों द्वारा सड़क पर रखे बोर्ड, बिजली का सामान, अनेक प्रकार की दुकानों के आगे सामान रखने के लिए लगाए गए बैंचों को हटाया गया। कुछ सामान को मार्केट कमेटी की ट्रैक्टर ट्राली में डालकर मार्केट कमेटी में लाकर रखा गया।

तीन किमी. सड़क का डेढ़ साल में नहीं हो पाया निर्माण

- अब लोगों ने लिया आंदोलन का फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

सरकारी कार्यों में किस प्रकार से कोताही बरती जाती है, इसका एक उदाहरण डबवाली-ऐलनाबाद रोड निर्माण के दौरान देखने को मिला। इस सड़क का गोरीवाला से मटदादु तक का तीन-चार किलोमीटर का निर्माण भी पिछले डेढ़ साल से नहीं हो पाया है। लोग इसे लेकर आंदोलन भी कर चुके हैं लेकिन विभाग के अधिकारियों के कानों पर जूं नहीं रेंगी। अब सोमवार को आसपास के 17 गांवों के लोग सड़क निर्माण की मांग को लेकर गोरीवाला में धरना प्रदर्शन करेंगे। गांव के सरपंच प्रतिनिधि जयपाल सिंह ने बताया कि सड़क का कार्य अधर में लटकने से यहां दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि तीन-चार किलोमीटर के सड़क निर्माण में डेढ़ साल से ज्यादा का समय हो गया है। लोग हैरान भी हैं और परेशान भी। गांव के अन्य लोगों ने बताया कि सड़क से गुजरने वाले लोग जब यह देखते हैं कि यह सड़क पिछले दो सालों से बन रही है और अभी तक इसका निर्माण पूरा नहीं हुआ तो लोग शासन प्रशासन को कोसते हैं।

सांसद सुभाष बराला ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस दी श्रद्धांजलि

- उन्होनें कुरीतियों एवं चलाई जा रही गलत नीतियों का विरोध किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

टोहाना। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि देते राज्यसभा सांसद सुभाष बराला।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की अखंडता और समाज की उन्नति के लिए मां भारती के सच्चे सपूत डॉ. मुखर्जी ने अनेक कुरीतियों एवं शासन की ओर से चलाई जा रही गलत नीतियों का विरोध प्रखरता से किया। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर भारतवर्ष का अभिन्न अंग है इसलिए एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं हो सकते और संपूर्ण भारत वर्ष में एक विधान एक प्रधान और एक निशान का नारा बुलंद करते हुए जम्मू कश्मीर को चल पड़े और इसी आंदोलन के तहत अपना बलिदान दे दिया। इस अवसर पर नप चेयरमैन नरेश बंसल, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र बंटू, महामंत्री बलदेव सैनी, रमन मडिय़ा, महिला मोर्चा शहरी मंडल अध्यक्ष स्वीटी मेहता, युवा मोर्चा अध्यक्ष सनी मेहता, सुरेंदर सैनी ने भी पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस के करीब 10 उम्मीदवार टिकट की लाइन में

विस चुनाव में कांग्रेस में मचेगी भगदड़ : अभय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। पत्रकारों से बातचीत अभय सिंह चौटाला।

राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस टिकट वितरण के बाद जमकर भगदड़ मचने वाली है। फतेहाबाद विधानसभा में ही कांग्रेस के करीब 10 उम्मीदवार टिकट की लाइन में है। अगर यहां बलवान सिंह दौलतपुरिया को टिकट नहीं मिली तो सबसे पहले वही भागेगा। डॉ. सिवाच भी टिकट न मिलने पर भागेगा और अगर यहां से प्रहलाद सिंह को टिकट मिलती है तो कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो जाएगा। ऐसे हालात कांग्रेस में केवल फतेहाबाद विधानसभा में ही नहीं, पूरे राज्य में है। अगर बलवान सिंह या डॉ. सिवाच इनेलो में आते हैं तो उनका स्वागत है। अभय सिंह चौटाला रविवार को फतेहाबाद की जाट धर्मशाला में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने की। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभय सिंह चौटाला ने कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जी-जान से जुटने का आह्वान किया।

इनेलो ने प्रदेश के सभी जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों को लेकर इनेलो पूरी तरह तैयार है। इनेलो द्वारा प्रदेश के सभी 22 जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। बूथ, जोन व हलका स्तर पर कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगा दी गई हैं। उन्होंने लोकसभा चुनावों में कार्यकर्ताओं द्वारा की गई मेहनत पर उनकी पीठ थपथपाई। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हालात अलग-अलग है। इन चुनावों को लेकर इनेलो एक नया गठबंधन बनाने जा रही है। इसको लेकर प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है कि जो सामाजिक व राजनैतिक संगटठनों से बात करेगी। जिस तरह चौ. देवीलाल ने 1987 में प्रदेश के सारे गैर कांग्रेस और गैर भाजपा संगठनों को इकट्ठा किया और कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने का काम किया, इस बार फिर इनेलो इस पर काम कर रही है। कांग्रेस सत्ता के पास न आए और भाजपा सत्ता से बाहर हो, इसको लेकर यह गठबंधन बनाया जा रहा है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनावों तक था।

विधानसभा चुनावों में सभी पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि इंडिया गठबंधन के जो उनके सहयोगी दल हैं, उन सभी दलों को इकट्ठा किया जाए। राज्यसभा सीट के चुनाव के सवाल पर अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इस चुनाव को लेकर हुड्डा पहले ही भाग रहे हैं। वह घर बैठे ही भाजपा को यह सीट देना चाहते हैं।

जनजीवन के दृश्यों को महत्व

रेनू व हिमानी के चार चित्रों में प्रकृति सुषमा के साथ-साथ जनजीवन के दृश्यों को महत्व दिया है। प्रकृति व संस्कृति का अद्भुत तालमेल होता है। यहीं सामंजस्य इन बाल कलाकारों ने अपने चित्रों में दिखाया है। अनुराधा, रितू, सीमा व सूरजमुखी ने अपने चित्रों में हमारे समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ रंगों के माध्यम जंग लड़ी है। इससे पता चलता है कि समाज में कोढ़ की तरह फैली बुराइयां इन्हें कौंधती हैं। बाल कलाकार सीमा प्रकृति प्रेमी है। उसने एक चित्र में सूर्योदय के समय टहनी पर बैठा पक्षी युगल जैसे सुख-दु:ख की बातें कर रहा हो, बनाया है।

बच्चों की कूची से निकले मुंहबोलते संदेश

बालमन सामाजिक समस्याओं को लेकर संजी रहते हैं। जब उन्हें इस पर अपनी इच्छा से अभिव्यक्ति की आजादी दी जाती है तो वे लेखन या चित्रों के माध्यम में वे तस्वीरें उकेर देते हैं जिनकी कई बार बड़े कल्पना भी नहीं रि सकते। पेंटिंग भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है जो दर्शक को भीतर तक झकझोर कर रख देता है।

कला | डॉ. सुमन कादयान

कला के शिखर पर पहुँचने के बाद विश्व विख्यात चित्रकार पिकासो ने कहा था, 'मैं किसी भी बड़े कलाकार की नकल कर सकता हूँ, किन्तु बच्चों की कला की नकल नहीं कर सकता।' उन्होंने यह इच्छा भी जाहिर की थी कि मैं बच्चों जैसे चित्र बनाना चाहता हूँ। पिकासो की इस इच्छा से ज्ञात होता है कि पिकासो बच्चों को साधारण चित्रकार नहीं मानते थे और वो यह भी समझते थे कि बिना किसी दबाव या प्रभाव के, नितांत मौलिक ढंग से चित्र बनाना बालमन से ही सम्भव है। बच्चों द्वारा खेल-खेल में सृजित चित्रों को बाल चित्रकला के अंतर्गत रखते हैं। उनके द्वारा चित्रित कलाकृतियां कई मायनों में उल्लेखनीय होती हैं।

बच्चों द्वारा बनाए चित्रों के पीछे भी एक तार्किकता होती है तथा इसके मनोवैज्ञानिक अध्ययन से उनकी मनोवृत्ति का स्पष्ट आभास मिल सकता है। यह सत्य है कि बच्चों में ड्राईंग के प्रति स्वाभाविक रुझान होता है। जब बच्चों में चित्र बनाने की बात छेड़ी जाए तो उनमें अनायास ही उत्साह आ जाता है तथा चित्र बनाने के लिये लालयित हो जाते हैं। चित्र बनाते समय उन्हें आनन्दानुभूति होती है। नई स्फूर्ति जागृत होती है। ऐसा माना जाता है कि बालक के अपरिपक्व मस्तिष्क में जो विचार कौंध रहे होते हैं अथवा जो भावनाएं उनके अंतर्मन को किसी एक क्षण में आंदोलित कर रही होती हैं, रेखाएं उसके हाथ उन्हीं का आकर लेगी।

देशभक्ति के भाव जगाते चित्र

ग्यारहवीं कक्षा की खुशी एक कुशल चित्रकार है। उसने शहीद भगत सिंह, छत्रपति शिवाजी के सुन्दर चित्र बनाए हैं जो देशभक्ति के भाव जगाते हैं तो वीरता का एहसास करवा रहें है। एक चित्र में श्रीमद्भगवत गीता के महत्त्व व हमारे जीवन पर उसके प्रभाव को खूबसूरती से दिखाया है। एक अन्य चित्र में दिखाया है कि सिगरेट का धुआं जीवन को काला करके जीवन में खुशहाली के समस्त रंग गायब कर देता है। नौवीं कक्षा की मोनिका ने सूर्योदय-सूर्यास्त के समय का स्वर्णिम वातावरण तथा बसन्त के इन्द्र धनुषी रंग कुशलता से चित्रित किए हैं।

अनदेखी

पटाखे बजाना शान समझते हैं लोग, जहरीली हो रही शहरों गांवों की आबोहवा

कब्जा

अपने कुछ देर के शौक के लिए ऐसे लोगों का दम घोट देते हैं, जिनको सांस की बीमारी है

चित्रों में अभिव्यक्ति की तार्किकता

बाल चित्रकारों के मन पर आसपास के वातावरण का प्रभाव भी पड़ता है। जो बच्चा देखता है, भोगता है या महसूस करता है उसे अपने चित्रों में स्थान देता है। हालांकि बच्चों की चित्रकारी के मुख्य विषय पेड़ पौधे, चिड़िया, बिल्ली, चूहा, पहाड़, झरने, पतंग, झूले, तितली, बादल, फूल आदि होते हैं, किन्तु थोड़ी परिपक्वता आने पर बच्चा या किशोर पूरे परिवेश को जानने, समझने लगता है। उसकी यही परिपक्वता उसके चित्रों में आने लगती है। वह सामाजिक बुराइयों, आडम्बरों, बढ़ते प्रदूषण, छल-कपट को अपने चित्रों के विषय बनाकर उनके खिलाफ लड़ना आरम्भ करता है, तो पर्यावरण सरंक्षण पर गम्भीरता से सोचता है। बच्चों के चित्रों में उनकी अभिव्यक्ति झलकती है। ऐसी ही अभिव्यक्ति की झलक, पर्यावरण व भटकते हुए समाज की चिन्ता पिछले दिनों छात्राओं द्वारा बनाई पेंटिंग प्रदर्शनी में देखने को मिली। बाल व किशोर कलाकारों द्वारा बनाए चित्र मात्र रंग-ब्रुश, स्कैट या मोम रंगों से बनाए चित्र भर नहीं थे, बल्कि इन चित्रों को बनाते समय छात्राओं ने गहरे विवेक, बेहतरीन सोच व कला दक्षता का प्रमाण दिया है। इन चित्रों को बनाने के पीछे छात्राओं की सकारात्मक सोच, समाज व पर्यावरण की चिन्ता साफ झलकती है। चित्रों को देखने, परखने पर ज्ञात होता है कि वो समाज से बुराइयों को उखाड़कर अमन-चैन, समानता, भाईचारा चाहती हैं। वो प्रदूषित नहीं बल्कि साफ-सुथरा व हरा-भरा वातावरण चाहती हैं। ये कलाकार नहीं चाहते कि हम जिस समाज में रहते हैं वो कुण्ठित, नकारात्मक, द्वेषी, स्वार्थी हो। इन बाल व किशोर चित्रकार छात्राओं के चित्र गहराई से देखते हैं तो बड़ों को भी सोचने-समझने पर मजबूर कर देते हैं।

प्रकृति की सत्ता के दर्शन

बारहवीं कक्षा की छात्रा करिश्मा द्वारा बनाए कई चित्रों में प्राकृतिक सौन्दर्य कुदरत का करिश्मा, प्रकृति की सत्ता को दर्शाया है। एक पेंटिंग में गहरे जंगल के बीच से बहती नदी से एक बाघ पानी पीकर अपनी प्यास मिटा रहा है। बाघ पानी पीता-पीता नदी में तैर रही दो बड़ी बत्तखों को भी देख रहा है। जंगल के बीच से हरे पड़ों के ऊपर नीले आसमान में कुछ बादलों के झुण्ड दिखाई दे रहे हैं। जैसे वे जल्दी ही पूरे आसमान में छाकर पानी बरसा कर पूरे जंगल की प्यास मिटाने की तैयारी कर रहे हैं। नदी के पानी में पेड़ों व बादलों का सुन्दर बिम्ब आकर्षण पैदा कर रहा है।

नशे से दूर रहने के संदेश

एक अन्य छात्रा सुशीला ने एक शहर की बहुमंजिला कंकरीट की इमारतें, सड़क पर वाहनों की भरमार तथा उनसे निकलने वाला जहरीला धुआं दम घोटता दिखाया है। किशोर कलाकार ने दिखाया है कि बढ़ती इमारतों के कारण जंगल कम हो रहे हैं। पीने का पानी भी जहरीला व कम हो रहा है। लाल रंग से बनाया आसमान खतरे का संकेत है। कलाकार ने पानी बचाने की प्रेरणा भी दी है। दूसरी पेंटिंग में नशे के दुष्परिणाम को दर्शाया है कि जो नशा करता है उसका मान-सम्मान, धन, स्वास्थ्य सब कुछ प्रभावित होता है तथा परिवार को भी भुगतना पड़ता है। बारहवीं कक्षा की ही छात्रा पूनम ने भारी जंगलों से लदे पहाड़ों के सामने बनी प्राकृतिक झील में छोटे से टापू पर एक नव युवती पत्थर पर बैठी प्राकृतिक सुषमा का रस-पान कर रही हैं। ठण्ड का एहसास करने के लिए पैर पानी में डुबाए हुए है। दोनों ओर भारी जंगल, फूलों से लदी जंगली झाड़ियां, दूसरी ओर साफ नीले पानी की झील तथा पीछे ग्लेशियरों से अटी पड़ी पर्वत चोटियाँ चित्र को सुन्दरता व आकर्षण पैदा कर रहे हैं। जंगल के आगे मादा जेबरा व उसका बच्चा निश्चिंत खड़े दिखाए हैं। एक अन्य पेंटिंग में कुछ कटे हुए, कुछ सूखे हुए पेड, काले रंग में दिखाए हैं। जमीन पेड़ो के बिना बन्जर, धूसर,लाल-पीले रंग में दिखाई है। इसका असर आसमान पर भी नजर आ रहा है।

कविता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
अब दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझसे मुंह मोड़ने लगी हैं।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
कुछ ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का क़र्ज़ उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
तो लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।
तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफ़ान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।
खौफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।
दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।
खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा,
शोहरत मलबे में दब जाएगी,
रुतबा बिखर जाएगा,
जमीने भी लूट ली जाएंगी।

रागनी | राजपाल सिंह गुलिया

धूणे पै ज्यूँ साधू तपता,
न्यूँ याह तपती धरती .
आज हवा भी तपी-तपाई,
मरण मारण न फिरती।

रूँख खड़े ये तपैं घाम मैं,
सिर नीचे न करकै .
जबरे आग्गै हीणा कोए ,
खड़्या हुया ज्यूँ डरकै .
धूप आज याह दिन धौली में ,
खड़ी बरू नै चरती।

फिरैं देख ल्यो ढोर तिसाए ,
नहीं झोड़ मैं पाणी .
पेड़ काटण नै कह तरक्की ,
दुनिया याह गिरकाणी .

घर तैं बार लिकड़ते लू भी ,
छुरी नाड़ पै धरती .

खबर छपी सै और पड़ैगी ,
कुछ दिन दबकै गरमी .
नौतपे मैं योह सूरज देवता ,
बरतै कोन्या नरमी .
सूरज नै किरणां की लागै ,
नई करी सै भरती।

सूरज बाबा दया करो कुछ ,
जी लिकड़ण नै होर्या .
पेड़ काट कै माणस अपणी ,
इस करणी पै रोर्या
इसी गरमी कदे देख्यी ना ,
लाग्यी कहण सुमरती।

गीत | भूपसिंह 'भारती'

गर्मी का महीना

गर्मी का महीना लू चालै घणघोर।
जेठ मास म्ह गर्मी, दिखलावै अपणा जोर।।

सूख गए सब, ताल तलैया,
ये पंछी मवेशी, प्यासे भैया,
प्यासी धरती मैया, अर प्यासा मरता मोर।

घाम पड़ै यो, चाम जळावै,
ऐडी चोटी लग, पसीनो आवै,
सबनै भोत सतावै, ना दीखै कोई ठोर।

सूरज का भई, देख तरारा,
फूंक दिया, सुख चैन हमारा,
दोषी सा हम सारा, ना दोषी कोई और।
ग्लेशियर भी, पिंघलण लागे,
फूटै भाग जै, इब नहीं जागे,
फेर बुरी हो म्हारै सागे, जै करी नहीं रै गोर।

गर्मी से बचने का, इलाज सै एक,
पेड़ लगाओ, घर घर म्ह अनेक,
कहै 'भारती' देख, बात ना करनी या इग्नोर।

कविता | अन्नू प्रिया

वापस हम नहीं आते

जिन रिश्तों के बिना रह नहीं सकते
उन्हें जरा सी बात लिए रुलाया नहीं करते
जिनके बिना जिंदगी अधूरी लगे
उनकी बातों को जाया नहीं करते

जायज नहीं हरवक्त उन्हें सताना
किसी दिन उनके रुठ चले जाने पर
शायद फिर रिश्तों में आया नहीं करते
ये कसम और वो वादे भी वहीं जाते
जब दिल से लोग उतर जाया करते।

कमियों की दुकान रह जाते हैं रिश्ते
हर गम अपने दिल का, दिल में रखते
हर किसी को बताया भी नहीं करते।
हलक पर आवाज जब सच नहीं बोलते
तो चुप्पियों से जज्बातों के मंजर बदलते
समंदर के तूफान की तरह, बस शांत हो जाते।

कुछ भी न रहा रिश्तों में जब वो फिर आते
तो फिर वो मुझ पर हक क्यों जताते
सोचते हैं जोड़ तोड़ छोड़ में रिश्ते आजमाते
पता नहीं उन्हें, छोड़े हुए रिश्तों में वापस हम नहीं आते।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

दहलीज

किसी के घर में अनहोनी हो गई। घर की इज्जत तार-तार हो गई। सब लोग दहलीज की दुहाई दे रहे थे। उसी समय घर के दरवाजे ने एक तरफ पड़ी पुरानी दहलीज से पूछा, 'आजकल लोग तुम्हारी मर्यादा भूल गए हैं ...किसी को तुम्हारी इज्जत की परवाह नहीं है। जो चाहे वो तुझे अमर्यादित तरीके से पार कर जाता है...ऐसा क्यों?
'दहलीज ने जवाब दिया, 'आज दहलीज ही कहाँ रही है घरों में ...जब दहलीज ही नहीं तो कैसी मर्यादा या अमर्यादा।'
'वो कैसे?' दरवाजे ने पूछा।
'वो ऐसे कि खुद के नीचे झांक कर देख...है कहीं दहलीज..।' दहलीज ने दु:खी मन से जवाब दिया।

कविता | लवली आनंद

दुनिया का रंग

मुझे दुनिया के रंग
में रंगना नहीं आया,
मुझे दुनिया के ढंग
में ढलना नहीं आया,
समय से चूक कर मैं
बेमौत मारी गई कई बार,
मुझे सूरज की भाँति
ढल कर बस निकलना
ही आया हर बार,
दुःख आया और
दुःख के बाद सुख भी
आया हर बार
पर दुःख में रोना नहीं आया
एक भी बार,
दुःख आते गए दुःख के साथ
संघर्ष भी बढ़ता गया पर
संघर्ष में उफ्फ कर
के भागना नहीं
आया एक भी बार,
बहुत साथी मिले फिर
बिछड़ भी गए जो गए
सो गए मैं उन्हें मुड़ कर
देखी
न एक भी बार,
अब उन सबका
समय ही हिसाब करेगा..

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहल | **सौ मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे**

उम्र के आखिरी पड़ाव में भी प्रेरणास्रोत बने रामस्वरूप

गौरव

70 वर्षीय पत्नी शांति भी गौरव महसूस कर रही है

गुर

41 वर्षीय बेटे को भी गुर सीखने शुरू किए

परख

प्रतियोगिताओं में बेटे की प्रतिभा की परख कर रहे

जज्बा | दलबीर सिंह भूना

हसंगा गांव के 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा आज देशभर में लोगों के लिए उदाहरण हैं कि उम्र चाहे जो भी हो अगर हौसले बुलंद हैं तो दूसरों का मोहताज नहीं होना पड़ता, बिना एथलेटिक्स कोच के आज वह अकेले ही आत्मनिर्भरता के साथ एथलेटिक्स खेलों में प्रतिद्वंद्वी प्रतिभागियों को पछाड़ रहे हैं। रामस्वरूप कुकणा ने मुंबई मैराथन 2024 में 42 किलोमीटर की फुल मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान 3 घंटे 39 मिनट 9 सेकंड में दौड़ पूरी करके पहला स्थान हासिल किया। वहीं 21, 10 व 5 किलोमीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतना रामस्वरूप कुकणा के लिए बाएं हाथ का खेल बन चुका है। बुजुर्ग के हौसले बुलंद देखकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गोल्ड मेडलिस्ट को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त बेंगलुरू, दिल्ली, लखनऊ, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, देहरादून आदि राज्यों में अपनी प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर 70 से ज्यादा गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। हालांकि हसंगा गांव के इस बुजुर्ग ने पूरी जवानी को किसानी में लगा दिया,मगर बुढ़ापे में गांव स्तर पर गत 5 वर्ष पहले हुई मनोरंजनदायक दौड़ प्रतियोगिता में कंसे गए कटाक्ष भरे व्यंग्य के बाद चुभती हुई बात सुनकर 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा की पूरी जिंदगी बदल गई और देशभर में प्रतिभावान एथलेटिक्स बन गए।

प्रतियोगिता में बदला नजरिया

ग्राम पंचायत हसंगा ने करीब 5 वर्ष पहले मनोरंजन दायक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया था। उपरोक्त प्रतियोगिता में बुजुर्गों की भी दौड़ शामिल की गई थी, जिसमें रामस्वरूप कुकणा ने 70 वर्ष की आयु वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित की थी और जब दौड़ रहे थे तो अचानक जमीन पर जा गिरे। मगर इसी दौरान प्रतिभागी ने रामस्वरूप को चुभती हुई बात कह दी। उसी दिन से ही खेती-बाड़ी को छोड़कर एथलीट खेलों में अपना जीवन समर्पित कर दिया और तब से लेकर आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। क्योंकि 100 मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले रामस्वरूप कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे हैं। इसलिए बुढ़ापे की दहलीज पर जाकर नाम रोशन कर रहे हैं।

बुजुर्ग खिलाड़ी पर गर्व

सरपंच हसंगा के सरपंच वकील सहारण व पूर्व सरपंच सुरेंद्र लांबा ने बताया कि रामस्वरूप कुकणा देशभर में दूर- दराज जाकर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा का डंका दूसरे राज्य में बजा रहा है। इससे हमारी संपूर्ण पंचायत एवं ग्रामवासी गर्व महसूस करते हैं। एथलेटिक्स ने उम्र के आखिरी पड़ाव में भी दौड़ लगाकर शारीरिक रूप से मजबूत कर लिया है। क्योंकि महाराष्ट्र, बैंगलोर, दिल्ली, लखनऊ जैसे राज्य में एथलीट प्रतियोगिता में प्रथम नंबर पर आना अपने आप में रामस्वरूप कुकणा की उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक बहुत बड़ी मिसाल है।

इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ संस्कृति को बढ़ा रहे सुमित

◆ नौकरी से ज्यादा लोक गायकी में बेहतर करियर ◆ हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद आदर्श रहे ◆ लोककला और लोक गीतों की स्थिति दयनीय

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी लोक कला एवं संस्कृति में रची बसी सांग और रागनियों की गूंज सात समंदर पार तक सुनाई देती है। इसका श्रेय सूबे के लोक कलाकारों को है, जिसमें हरियाणवी लोक संस्कृति की अलख जगाने के लिए अलग विधाओं में हरियाणा को पहचान दी है। ऐसे ही लोक कलाकारों में हिसार के सुमित सातरोड ऐसे रागनी गायक हैं, जिन्होंने सामाजिक, आध्यात्मिक, वीर रस की गाथाओं की विधाओं में अपनी अलग पहचान बनाई है। वहीं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को रागनी गायन के जरिये समाज के सामने परोसते हैं। सुमित ने समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए इंजीनियर की नौकरी को त्यागकर रागनी गायन शैली को अपनाया है। लोक कला के क्षेत्र में गायन शैली के दो दशक से ज्यादा के सफर को लेकर बुलंदियां छूते सुमित सातरोड ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, कि लोक कला के जरिए समाज में फैली कुरितियों को दूर करके सामाजिक समरसता की अलख जगाई जा सकती है।

लोक गायक सुमित सातरोड का जन्म 01 जनवरी 1974 को हिसार में गांव सातरोड में एक सामान्य परिवार में शिवकुमार शर्मा व संतोष देवी के घर में हुआ। जब वह तेरह साल के थे तो 1987 में उनके पिता का निधन हो गया था, जो एक सरकारी नौकरी में थे। पिता के निधन से पूर्व हमारी माता को नौकरी मिली, जिन्होंने हमारे लालन पालन और पढ़ाई का पूरा ध्यान रखा और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग भी कराई। बकौल सुमित उन्हें बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था, परंतु परिवार में किसी प्रकार का कोई संगीत या कला का माहौल नहीं था और परिवार में उनके अलावा किसी अन्य सदस्य की इस क्षेत्र रुचि थी। सुमित को बचपन से नृत्य का अधिक शौक रहा। उनके गांव में हर छह महीने में गायन के लिए सुप्रसिद्ध लोकगायक मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल आते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद जब अपने गांव में मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल का गाना सुना, तो उन्हें पहली बार यह अहसास हुआ कि इस लोक गायकी से अच्छा कुछ नहीं है और तभी से उन्होंने भी अपना सारा ध्यान इसी लोक गायन संस्कृति पर केंद्रित करना शुरू कर दिया। उनके गायन शैली की शुरुआत साल 2000 भजन से की, जिसके बाद इतिहास और गाथाओं से जुड़े किस्सों पर रागनी गायन शुरू किया। हालांकि इसके लिए उन्हें घर परिवार और अपने संघी साथियों के विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान केंद्रित रखा और अपनी राह पर आगे बढ़ता रहा। वैसे भी हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद मुख्य रूप से उनका आदर्श रहे, वहीं लोक गायन शैली में पं. लखमी के शिष्य पंडित मांगेराम और शहीद कवि जाट मेहर सिंह की गायन शैली से भी वह बहुत प्रभावित हैं। लोक संस्कृति पर उनकी रागनी गायकी का फोकस रहा है। उनकी गायन शैली में आध्यात्मिक व सामाजिक शास्त्र और श्रृंगार रस का समावेश भी रहा है।

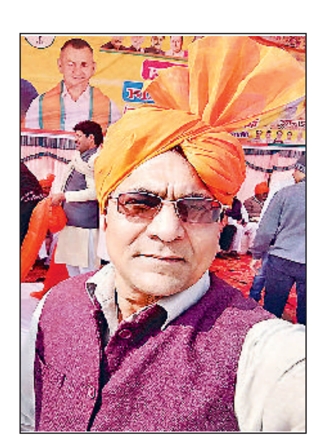

सम्मान व पुरस्कार

रागनी गायक शैली के लोक कलाकार सुमित सातरोड ने विभिन्न विधाओं में अपनी कला के हुनर से हरियाणा ही नहीं, देश के कई राज्यों में सांस्कृतिक मंचों पर सम्मान पाया है। इसमें बाबा रामदेव की बायोपिक में गौ माता के भजन के ही करीब 15 सांस्कृतिक रत्न के रुप में पतंजलि योगपीठ से सांस्कृतिक अवार्ड शामिल हैं। इसके अलावा रागनी प्रतियोगिताओं और गांवों के मंच पर सैकड़ो पुरस्कार सम्मान उनके नाम दर्ज हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव चिंतनीय

आज के इस आधुनिक युग में लोककला और लोक गीतों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। आज के इस सोशल मीडिया युग में हमारे मूल गीतों को दबाया जा रहा है, क्योंकि नाबालिग बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन है और वह इस आकर्षण में फंसते जा रहे हैं। बच्चों का हमारी मूल संस्कृति के प्रति कम रुझान है। लोक गायक सुमित सातरोड ने सामाजिक, अध्यात्म और लोक संस्कृति को अपनी कला से आगे बढ़ाने के लिए दस साल की इंजीनियरिंग की नौकरी को छोड़ दिया था। उनका कहना है कि नौकरी से ज्यादा अच्छा लोक गायकी के क्षेत्र में बेहतर करियर दिखा। सुमित का कहना है कि हरियाणा में पहले पहले नाट्य स्वांग का प्रचलन शुरू हुआ था, इसके बाद फिर सन 1920 के आसपास पंडित लखमी चंद ने रागनी गायन के दौर की शुरुआत की, जिसमें इसमें मटका, बेंजो, हारमोनियम सब बजाए जाते हैं।

खबर संक्षेप

श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद

हांसी।भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री गायत्री देवी ने रविवार को गांव ढाणा कलां में आयोजित कार्यक्रम में श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए उनके फोटो पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया।गायत्री देवी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी अखंड भारत की कल्पना करने वाले पहले नेता थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में देश की एकता व अखंडता के लिए काम किया तथा देश के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया।

धोखे से ठगने के मामले में एक अन्य गिरफ्तार

हिसार। साइबर थाना पुलिस ने टेक्सट मैसेज फॉरवर्ड कर दो लाख 23 हजार रुपए की ठगी मामले में एक अन्य छठे आरोपी मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले के सूर्यपुरा गौरव कुशवाहा गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी गौरव कुशवाहा ने धोखेबाजों को अपने नाम से एक्टिवेट मोबाइल सिम कार्ड उपलब्ध करवाया था जो अलग अलग बैंक अकाउंट में नेट बैंकिंग और ओटीपी के लिए प्रयोग किया गया।

स्टेशन पर खोजी कुत्ते के साथ चलाया सर्च अभियान

हिसार। नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत पुलिस ने अभियान में तेजी ला दी है। इसके तहत पुलिस ने जहां विभिन्न स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया वहीं नशा निरोधक टीम ने रेलवे स्टेशन पर खोजी कुत्ते के साथ सर्च अभियान चलाया। समाज को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशा न करने के प्रति प्रेरित करना और नशे के दुष्प्रभावों बारे में जानकारी देकर जागरूक करना है। उन्होंने अभिभावकों को आज की भागदौड़ की जिंदगी में बच्चों का विशेष ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि नशा शरीर के लिए खतरनाक है।

भाजपा सरकार में युवाओं का भविष्य है अंधकार में

हांसी। कांग्रेस नेता प्रेम सिंह मलिक ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार में युवाओं का भविष्य अंधकारमय है। प्रदेश में शिक्षकों की कमी को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि वर्तमान में हरियाणा के 2300 स्कूलों में 9995 पीजीटी शिक्षकों की कमी है। और यह भाजपा सरकार के खोखले वादों का नतीजा है कि आज हमारे बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। जबकि कांग्रेस ने हमेशा शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और भविष्य में भी देगी। मलिक ने कहा कि चंद महीनों के बाद हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी और खाली पड़े सभी शिक्षकों के पदों को भरा जाएगा ताकि प्रदेश के बच्चों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो सके।

हरियाणा राज्य कर्मचारी संघ की जिला कमेटी एवं ब्रांचों के पदाधिकारियों की हुई बैठक

कर्मचारियों ने मीटिंग कर लंबित मांगों को लेकर बनाई आगामी संघर्ष की रणनीति

तानाशाह अधिकारी से कार्यालय के तमाम अधीनस्थ कर्मचारी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ संबंधित हरियाणा राज्य कर्मचारी संघ की जिला कमेटी एवं ब्रांचों के पदाधिकारियों की बैठक यूनियन कार्यालय में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जो 24 जून को कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडल, डबवाली में दिए जाने वाले शने को स्थगित करते हुए उपमंडल अभियंता जनस्वास्थ्य उपमंडल कार्यालय कालांवाली के समक्ष ही प्रदर्शन घेराव जारी रहेगा। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष तेलुराम लुगरिया ने बताया कि उपमंडल अभियंता कालांवाली उपमंडल में विराजमान है, तब से लेकर आज तक उपमंडल में भारी भरकम भ्रष्टाचार मचाया हुआ है। यहां तक की फिल्ड में कार्यरत कर्मचारियों की जायज मांगों बारे जो पैसा सरकार द्वारा भेजा जाता है, बिल कोटेशन बनाकर पैसे डकारने का काम करती है। जिलाउपाध्यक्ष हरिराम जाजड़ा ने बताया कि इस तानाशाह अधिकारी से कार्यालय के तमाम अधीनस्थ कर्मचारी परेशान हैं। उन्होंने मांग की है कि इस भ्रष्टाचार में तानाशाही प्रवृत्ति के अधिकारी को निलंबित कर दूर-दराज तबादला किया जाए व कार्यकारी अभियंता जनस्वास्थ्य अभि. मंडल डबवाली से अपील है कि वह स्वयं कालांवाली में आकर धरनारत कर्मचारियों से बातचीत कर जायज मांगों में समस्याओं का हल करवाने का काम करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि विगत 18 जून से चल रहे धरना प्रदर्शन पर कर्मचारियों को उपमंडल अभियंता कालांवाली द्वारा अपशब्द बोलते हुए व देख लेने की धमकी दी गई थी तथा जातिसूचक शब्द भी कहे गए। यहां तक की धमकी दी गई कि वो किसी से डरती नहीं है, जो करना है कर लो। मैं तो ऐसे ही भ्रष्टाचार करुंगी। मुझे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने विभाग के उच्चाधिकारियों व सतर्कता ब्यूरो से मांग की है कि उपमंडल अभियंता कालांवाली की की लगभग एक वर्ष में किए गए भ्रष्टाचार डीएनआईटी फर्जी बिल कोटेशन फर्जी बिल की निष्पक्षता से जांच करवाई जाए। ब्रांच प्रधान हरीकिशन कुतिनियां ने कहा कि विगत 18 जून से 20 जून तक उपमंडल अभियंता गैर हाजिर रही, जिसके चलते तुरंत निलंबन किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कर्मचारियों की समस्याओं का हल नहीं हुआ और उपमंडल अभियंता के खिलाफ कार्रवाई नहीं हु तो कार्यकारी अभियंता डबवाली अधीक्षक अभियंता परिमंडल सिरसा के समक्ष भी यूनियन घेराव करने से पीछे नहीं हटेगी, जिसकी जिम्मेवारी विभाग की होगी। इस मौके पर बीएंड आर के प्रधान वीरेंद्र कुमार टॉ, सचिव दलीप सिंह, डबवाल प्रधान पाल सिंह, सचिव धर्मेंद्र कुमार, रामचंद्र, प्रताव सिंह कंबोज, राजकरण, चंदनराम, शिवचरण कंडारा, सुनील दत्त, हरबंस लाल, बृजलाल अदि कर्मचारी मौजूद थे।

सिरसा। बैठक करते पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

फतेहाबाद। पेंशन बहाली संघर्ष समिति की बैठक में भाग लेते पदाधिकारी।

ओपीएस की मांग को लेकर 11 अगस्त को काले कपड़े पहनकर विरोध दर्ज करवाएंगे

फतेहाबाद। 11 अगस्त को जिलेभर के हजारों सरकारी कर्मचारी पेंशन आक्रोश मार्च में ओपीएस की मांग को लेकर काले कपड़े पहन कर राज्य सरकार के प्रति अपना विरोध दर्ज करवाएंगे। भूना के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा के राज्य महासचिव ऋषि नैन की अध्यक्षता में आयोजित जिला कार्यकारिणी की बैठक में पेंशन आक्रोश मार्च की रूपरेखा तैयार की गई। राज्य महासचिव ऋषि नैन ने कहा कि एक तरफ लोकसभा चुनाव में कर्मचारियों के वोट से चोट खाई हुई सरकार आंध्र प्रदेश मॉडल जैसी गारंटीड पेंशन व्यवस्था पर विचार कर रही है वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दल पुरानी पेंशन योजना को ज्यों का त्यों लागू करने का वादा कर रहे हैं। मौजूदा राज्य सरकार पुरानी पेंशन बहाली को लेकर लंबे समय से नकारात्मक रवैया दिखा रही है। ऐसे में हर जिले में कर्मचारी आक्रोश मार्च निकालते हुए इस मुद्दे पर सरकार के प्रति अपना विरोध दर्ज करवाएंगे। आक्रोश मार्च का समापन 11 अगस्त को फतेहाबाद में होगा। राज्य ऑडिटर विजय भूना ने बताया कि सरकार पेंशन बहाली को लेकर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाती है तो आगामी एक सितंबर को पंचकुला में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने दो लाख से ज्यादा कर्मचारी हरियाणा के कोने कोने से पहुंचेंगे। राज्य रिसर्च टीम हेड रमेश जांडली ने कहा कि सरकार यदि विधानसभा चुनाव से पहले पेंशन बहाल करती है तो हम सरकार के इस कदम का स्वागत करेंगे, परंतु सरकार का कर्मचारियों की पेंशन के प्रति यही रवैया रहा तो कर्मचारियों को मजबूरन वोट फॉर ओपीएस मुहिम चलानी होगी और हर कर्मचारी और उसके परिवार ब सगे संबंधियों का वोट पेंशन बहाली का वादा करने वाली पार्टी को जाएगा। इस अवसर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यकारिणी में कुछ बदलाव करते हुए जिला प्रधान सुनील कुमार को राज्य कार्यकारिणी में शामिल किया गया। जिला महासचिव नरेश जांगड़ा को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष चुना गया और स्वास्थ्य विभाग से अजीत मेडल को जिला महासचिव मनोनीत किया गया।

गलियों के सुधारीकरण होने की उम्मीद

भूना। मॉडल टाउन, चंदन नगर तथा न्यू श्याम बिहार कॉलोनी में वार्ड नंबर 14 व 15 की 6 गलियां के नव निर्माण को लेकर एक करोड़ से अधिक का टेंडर लगाया गया है। अब दोनों वार्ड के लोगों की पिछले कई वर्षों से बदहाल गलियों के सुधारीकरण होने की उम्मीद लग गई है। नगर पालिका के वार्ड नंबर 15 की पार्षद सुमन शर्मा व वार्ड नंबर 14 के प्रकाश कुमार ने मुख्यमंत्री व विधायक तथा चेयरपर्सन का आभार व्यक्त किया है। नगर पालिका चेयरपर्सन अर्पणा पंकज पसरीजा ने बताया कि वार्ड नंबर 14 और वार्ड नंबर 15 की 6 गलियों के एक करोड रुपये के टेंडर लगाए गए हैं और इसकी अंतिम तिथि 8 जुलाई तक ऑनलाइन टेंडर भरे जा सकते हैं। टेंडर खुलने के बाद दोनों ही वार्डों की गलियां चकाचक हो जाएगी। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 14 में संपत सिंह के घर से लेकर गौतम बुद्ध पार्क तक तथा गौतम बुद्ध पार्क से लेकर पार्षद प्रकाश कुमार के घर तक नई गली को लेकर टेंडर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 15 में दिनेश जाट के घर से लेकर सरदार अप्पू के घर से होकर पवन शर्मा के घर तक, रामकिशन कुम्हार के घर से लेकर महेश कंबोज के घर तक, शेर सिंह कुम्हार के घर से लेकर दिनेश के घर तक नई गली निर्माण को लेकर टेंडर लगाए गए है और खोलकर संबंधित ठेकेदार के माध्यम से इंटरलॉक गली बनाई जाएगी।

चेयरपर्सन अर्पणा पंकज पसरीजा

पुलिस ने विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने ऑपरेशन आक्रमण के तहत गश्त, नाकाबंदी व संघन चेकिंग अभियान चलाकर विभिन्न आपराधिक गतिविधियों तथा गैर कानूनी धंधो में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस की अनेक टीमों ने मादक पदार्थ तस्करों, अवैध शराब तस्करों, अवैध असला धारकों,जुआ एंव सट्टा खाईवाली करने वालों तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे लोगों के ठिकानों पर दबिश दी तथा चेकिंग अभियान के दौरान गैरकानूनी धंधा करने वालों को काबू कर संबंधित थानों में अभियोज दर्ज कर उनके कब्जे से शराब, मादक पदार्थ बरामद किए गए। जिला पुलिस ने इस अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित भगौड़ों को पकड़ने में भी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक क्रिकांत भूषण के निर्देश पर आज जिला भर में सुबह 6 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक विशेष अभियान ऑपरेशन आक्रमण चलाकर जिला पुलिस ने विभिन्न अपराधिक गतिविधियों तथा गैरकानूनी धंधो में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत! 5 अभियोग दर्ज कर गिरफ्तार लोगों के कब्जे से 200 लीटर लाहन, 154 बोतल देशी शराब बरामद की गई। इसी प्रकार मादक पदार्थ अधिनियम के तहत दो मामले दर्ज कर 20 ग्राम 50 मिलीग्राम हेरोइन बरामद कर तीन व्याक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा चलाए गए विशेष अभियान के तहत विभिन्न मामलों में वांछित 6 आरोपीयान को काबू किया है। इस अभियान के दौरान जिला के सभी शहरों कस्बो के चौक-चौराहों व सार्वजनिक स्थानों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संदिग्ध मार्गोर् पर विशेष रूप से नाकाबन्दी,चैकिंग व पैदल गश्त कर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया।

अपराधों को रोकने के लिए जनता से सहयोग की अपील

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि आप्रेशन आक्रमण अभियान का उद्देश्य अपराध एवं अपराधियों तथा गैरकानूनी धंधा करने वालों पर शिकंजा कसना है। पुलिस अधीक्षक वने कहा कि अपराधों को रोकने के लिए जनता से भी सहयोग की अपील की गई।

मिलन करता मिला सांपों का जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

■ सांपों को बनछटियों के ढेर से निकाल कर जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया

क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब बनछटियों के एक देर में सांपों का जोड़ा निकल आया। घबराए लोगों ने स्नेकमैन पवन जगपाल को बुलाया। सांपों का जोड़ा यहां मिलन कर रहा था। इसको देखते हुए किसी ने भी सांपों को हाथ नहीं लगाया। जैसे ही सांपों का मिलन पूरा हुआ तो उसके बाद सांपों को बनछटियों के ढेर से निकाल कर जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया। स्नेकमैन जोगपाल ने बताया कि गांव भट्टूकलां से भाल सिंह साईं का फोन आया। उन्होंने बताया कि हमारे घर के पास में एक लकडियों का ढेर है, उसमें एक सांप का जोड़ा एक दूसरे के साथ खेल रहे हैं। फिर उन्होंने वहां पर जाकर देखा तो एक लकड़ी के ढेर के अंदर एक इंडियन रेट स्नेक प्रजाति के दो सांप थे, जो नर मादा थे। उनका अभी प्रजनन का समय है, इसलिए वह मिलन कर रहे थे। उन्होंने उन सांपों तंग नहीं किया। उसके कुछ देर बाद में उन्होंने वहां से लकड़ियों को हटाकर उन दोनों सांपों को वहां से सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया और फिर उनको सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। जोगपाल ने बताया कि अब बारिश का समय है और जमीन के अंदर गर्मी होने के कारण अब सांप बाहर निकलेंगे। उन्होंने बताया कि इंग्लिश में इंडियन रेट स्नेक हिंदी में धामन और घोड़ा पछाड़ बोलते हैं। यह सांप किसान मित्र सांप होता हैं, जो कि खेत के अंदर जितने भी चूहे होते हैं उनको यह खत्म कर देते हैं और इस सांप के अंदर बिल्कुल भी जहर नहीं होता है।

भट्टूकलां। लकड़ियों के ढ़ेर में मिलन करते हुए सांपों का जोड़ा।

उम्मीद चैरिटेबल संस्था ने लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

■ कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया

रक्तदाता द्वारा दान दी गई रक्त की एक बूंद किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाकर नया जीवन देने का काम करता है इसलिए हमें जीवन में रक्तदान जरूर करना चाहिए। यह बात राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्यातिथि उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित दूसरे स्थापना दिवस के अवसर पर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह में कही। उन्होंने कहा कि टोहाना की सामाजिक संस्थाए बधाई की पात्र हैं जो समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करती हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस मौके पर उम्मीद संस्था के सदस्यों ने राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, नप चेयरमैन नरेश बंसल, डॉ. शिव सचदेवा, वाईस चेयरपर्सन प्रतिनिधि बलदेव सैनी, रमेश मेहता जी, स्वीटी मेहता, मंडलाध्यक्ष नरेंद्र गर्ग, रमन मडिया, सन्नी मेहता, सुरेंद्र सैनी, पार्षद राकेश मस्तु, पार्षद रोशन लाल, पार्षद काला पहलवान, सतपाल नन्हेड़ी व अनेक रक्तदाता मौजूद रहे।

टोहाना। उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते रा'यसभा सांसद सुभाष बराला।

कोर्ट के आदेशों के बाद मेम के बाग में दिन की बजाए रात में किया जा रहा निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

■ कार्रवाई के लिए पुलिस को दी शिकायत, निर्माण कार्य पर रोक लगाने के लिए कोर्ट की ओर से जारी किए गए हैं आदेश

कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करते हुए मैम के बाग में निर्माण कार्य किया जा रहा है। अब निर्माण कार्य दिन के बजाए चोरी-छिपे रात को किया जा रहा है ताकि किसी को इसकी भनक न लग सके।

अवैध तरीके से मेम के बाग में रात के समय निर्माण कार्य करने के खिलाफ हांसी शहर थाने में लिखित में शिकायत दी गई है। साथ ही शिकायतकर्ता द्वारा रात के समय निर्माण कार्य करते हुए फोटो भी सबूत के तौर पर दिए गए हैं। शिकायत के माध्यम से कोर्ट की अवहेलना करने वाले के खिलाफ जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। मामला मैम के बाग के खसरा नंबर 1038 में किए जा रहे निर्माण कार्य का है। गौरतलब है कि खसरा नंबर 1038 पर निर्माण कार्य न करने को लेकर आदेश दिए गए थे।पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि कोर्ट का फैसला आने तक सभी पक्षों को खसरा नंबर 1038 में निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी। परंतु रविंद्र कुमार और संतोष कुमारी ने कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया है। शिकायत में रात के समय युद्ध स्तर पर कार्य करने के आरोप भी लगाए गए हैं।

गौरतलब रहे कि पिछले वर्ष अप्रैल में रविन्द्र कुमार एवं संतोष कुमारी के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का केस दायर किया गया था जिसके बाद कार्य कुछ वक्त के लिए रोक दिया गया । यह मामला अभी कोर्ट में लंबित है ।

इसी बीच माननीय हाइकोर्ट ने हिसार डीटीपी आफिस से नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था, जिसमें डीटीपी ऑफिस द्वारा साफ तौर पर कहा गया है कि विभाग द्वारा यहां के लिए अभी तक कोई एनओसी जारी नहीं की गई है अब तक के यहां पास हुए सभी नक्शे अवैध हैं। बीते 21 जून को कोर्ट की अवमानना करते हुए फिर से अवैध निर्माण कार्य शुरू किया गया है। जिसकी शिकायत की फोटो एवं विडियो के साथ डीटीपी ऑफिस को भी शिकायत दी गई है। पेटिशनेर के वकील आईएस कुनर ने बताया कि अब देखने योग्य बात ये है की क्या डीटीपी ऑफिस इन भूमाफियाओं के खिलाफ करवाई करके अवैध निर्माण रुकवाने में कामयाब हो पाएगा या नहीं।

पेपर लीक और भर्ती घोटालों से युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रही भाजपा : पुनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ. विनीत पुनिया ने कहा कि भाजपा सरकार पेपर लीक और भर्ती घोटालों से युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने पर तुली हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षाएं हो या फिर हरियाणा में होने वाले एक के बाद एक भर्ती घोटाले, हर स्तर पर भाजपा का युवा विरोधी चेहरा सामने आया है। जिले के गांव मेहुवाला, भट्टू, बनमंदोरी और ढाबी कलां में सभाओं को संबोधित करते हुए डॉ. विनीत पुनिया ने कहा कि युवा परीक्षाओं के लिए वषार्ं मेहनत करते हैं, परंतु लगातार हो रहे परीक्षा और भर्ती घोटालों से युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। पहले नीट-यूजी परीक्षा में धांधली सामने आई और उसके बाद यूजीसी नेट परीक्षा में भी गड़बड़ी सामने आई। अब आज नीट पीजी की परीक्षा भी स्थगित कर दी गई। इस तीनों परीक्षाओं में हरियाणा के 70 हजार से 'यादा छात्र प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस लगातार नीट घोटाले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में करने की मांग कर रही है, मगर प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री निष्पक्ष जांच की मांग पर चुप हैं।

ये रहे मौजूद

डॉ. पुनिया ने कहा कि जिस प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है, वहां नौकरियां और परीक्षाओं में जमकर धांधली हो रही हैं। भाजपा के शासन में हरियाणा में एक भी नौकरी की भर्ती बिना विवादों के संपन्न नहीं हुई है। इससे युवा हताश और निराश हैं। लगातार धांधली होने से भर्तियों की शुचिता खत्म हो चुकी है। इन घोटालों की जांच के नाम पर हर बार सत्ताधारी सफेदपोश बचाए जा रहे हैं। पुनिया ने कहा कि भाजपा ने कभी अपनी कारगुजारियों से सबक नहीं लिया, इसलिए लोकसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को सबक सिखाया है। अब हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भी प्रदेश की जनता इस भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने जा रही है। इस अवसर पर कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश महासचिव मास्टर सुभाष धानिया, किसान नेता राजेश खिलेरी, सुशील गोदारा, सुनील विश्नोई, दीपक बिश्नोई, बल्लू यादव, राजू इंसा, अजय दांगी इत्यादि उपस्थित थे।

चौ. देवीलाल पार्क ऑटो मार्केट सिरसा में किया गया योग प्रशिक्षण शिविर

बाइस दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पतंजलि योगपीठ व भारत स्वाभिमान ट्रस्ट की सिरसा इकाई तथा भारत विकास परिषद् सिरसा शाखा के तत्वावधान में चौ. देवीलाल पार्क ऑटो मार्केट सिरसा में 22 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। मीडिया प्रभारी विवेक शर्मा ने बताया कि समापन अवसर पर पार्क में हवन यज्ञ किया गया। कार्यक्त्रम में बतौर मुख्यातिथि जल स्टार रमेश गोयल एडवोकेट ने शिरकत की, जबकि कार्यक्त्रम की अध्यक्षता पतंजलि योगपीठ के प्रान्तीय अधिकारी चन्द्रपाल योगी द्वारा की गई। रमेश गोयल ने कहा कि इस बढ़ती गर्मी के लिए हम प्रकृति को दोष देते हैं, जबकि इंसान स्वयं इसका उत्तरदायी है। वास्तव में चिन्तनीय तो यह है कि आखिर यह तापमान इस प्रकार से हर वर्ष बढ़ता ही क्यों जा रहा है और इस पर लगाम कैसे लगाई जा सकती है? तापमान को नियन्त्रित करने के लिए केवल और केवल वृक्ष ही सक्षम हैं। एक बड़े पेड़ के नीचे गर्मियों में औसतन 4 डिग्री तापमान कम रहता है। एक वृक्ष वर्ष भर में लगभग 20 किलो धूल सोखता है। एक पेड़ हर वर्ष लगभग एक लाख वर्ग मीटर दूषित हवा को फिल्टर करता है और प्रतिदिन लीटर 230 ऑक्सीजन निकालने के साथ साथ वर्ष भर में 20 टन कार्बन डाई आक्साईड अवशोषित करता है। वृक्ष ध्वनि प्रदूषण को भी कम करते हैं। लगभग हर वृक्ष में औषधीय गुण भी होते हैं। जिला संयोजक जय प्रकाश ने सभी का अभिनंदन किया और विरेन्द्र नागपाल ने आभर व्यक्त किया। कार्यक्त्रम के समापन पर 12 योग शिक्षकों को प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर प्रेम शर्मा, यशपाल, संयोजक जय प्रकाश, श्रमिक प्रकोष्ठ प्रमुख खैरात लाल, रमेश सेठी, राज कुमार निजात, कपिल, कृष्ण छिम्पा, देवी लाल, विश्वबन्धु गुप्ता, सुमन सचदेवा, रजनी बांसल, मधुसुधा आदि साधक उपस्थित थे।

सिरसा। योग प्रशिक्षण शिविर के समापन पर अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

खबर संक्षेप

हजारों किसान मुआवजे से वंचित: जसवीर सिंह

सिरसा। इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी केसदस्य जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण जिले के हजारों किसानों को मुआवजा न मिलने की चपत लगी है, जिसके लिए दोषी अधिकारियों को दंडित किया जाना आवश्यक है। रविवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि रा'य सरकार ने जिले के हजारों किसानों की वर्ष 2020 में खरीफ की फसल प्राकृतिक आपदा के चलते पूरी तरह खराब हो गई थी और उसी के मुआवजा स्वरूप सरकार ने प्रभावित किसानों की मदद के लिए 65 करोड़, 9 लाख, 81 हजार 353 रुपए की आर्थिक सहायता भेजी थी मगर राजस्व विभाग के अधिकारियों ने चंद किसानों के खातों का मिलान न होने के चलते सभी किसानों को इस मुआवजा राशि से वंचित कर दिया।

प्रदीप बने भारतीय महिला कुश्ती टीम के कोच

हिसार। रैसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने जिले के गांव खारिया निवासी अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कोच प्रदीप खारिया को जॉर्डन के शहर अम्मान में होने वाली अंडर-23 एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय महिला टीम के कोच की कमान सौंपी है। अंडर-23 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 30 जून तक जॉर्डन में किया जाएगा। प्रदीप खारिया इस समय भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में कार्यरत हैं। इससे पहले भी वे अंडर-17, अंडर -20 वर्ग की भारतीय टीम के कुश्ती कोच रहें हैं। वे वर्ष 2018, 2019, 2021, 2022 व 2023 में विश्व और एशियन चैम्पियनशिप के दौरान भी भारतीय कुश्ती टीम के कोच रह चुके हैं।

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक कल

हिसार। जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक लघु सचिवालय परिसर स्थित सभागार में 25 जून को प्रातः 11 बजे होगी। हरियाणा के जनस्वास्थ्य मंत्री डॉ. बनवारी की इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि बैठक में रखे जाने वाले परिवादों का हरियाणा के जनस्वास्थ्य मंत्री डॉ. बनवारी दोनों पक्षों के विचारों को सुनने के उपरांत मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर सभी विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे ताकि शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जा सके।

जीजा के साथ साले ने की मारपीट, मामला दर्ज

नारनौंद। क्षेत्र के गांव भकलाना में साले द्वारा जीजा को घर से बाहर ले जाकर बीयर की बोतल व डंडे से मारपीट करने का समाचार है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। भकलाना निवासी विजय ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह खेती बाड़ी का काम करता है, वह शादीशुदा है और उसका तीन साल का एक बेटा है। उसकी शादी भिवानी जिले के तालू गांव निवासी प्रियंका के साथ हुई थी। कुछ समय से उनके बीच में अनबन चल रही है। गत 18 जून को उसका साला तालू निवासी सोमबीर उसके घर पर आया और उसको मोटरसाइकिल पर बैठाकर की आईटीआई के पास ले गया तथा उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। उसके साले ने पास पड़ी बीयर की बोतल से वार किया और डंडे से उसके साथ मारपीट की।

सेल्फी लेने वाले युवाओं की भीड़ उमड़ रही

नहला गांव में सरपंच ने प्राचीन धरोहर व कुएं का अस्तित्व खत्म होने से बचाया

जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के बाद पर्यटन स्थल के रूप में बदल दिया

दलबीर सिंह ▶▶ भूना

भूना। जीणारे्द्घार और सौंदर्यकरण के बाद पर्यटन स्थल के रूप में बदला कुंआ, कृष्ण कुमार ढिल्लों, सरपंच ग्राम पंचायत नहला।

उप तहसील क्षेत्र में धीरे-धीरे कुओं व प्राचीन धरोहर का अस्तित्व खत्म होता जा रहा हैं। उपतहसील के अभिलेखों में दर्जनों कुएं दर्ज हैं, लेकिन कुओं पर अवैध अतिक्रमण एवं कब्जे होने पर कुएं दिखाई नहीं देते। परंतु ग्राम पंचायत नहला के सरपंच कृष्ण कुमार ढिल्लों ने तीर्थनाथ कालीन कुआं एवं धरोहर के जीर्णोद्धार और सौंदर्यकरण के बाद पर्यटन स्थल के रूप में बदल दिया है। जो धरोहर एवं कुएं नहला गांव में कुछ महीनों पहले खंडहर एवं बदहाल दिखाई दे रहे थे। वहां पर अब वर्षों पहले पनघट पर जैसे जमघट लगता था, वैसे अब सेल्फी लेने वाले युवाओं की भीड़ उमड़ रही है। क्योंकि प्राचीन धरोहर एवं बावली-कुएं चकाचक होने से उनकी कायापलट गई। हिंदू धर्म में विवाह-शादी व बच्चे के जन्म के समय कुआं पूजन की धार्मिक क्रिया की जाती है। कुंओं की भूमि पर अवैध कब्जे या अतिक्रमण होने के कारण कुंआ पूजन के लिए भी हिंदू धर्म के लोगों को खासी परेशानी होती हैं। गांव नहला में तीर्थनाथ कालीन कुंआ के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के बाद सही सलामत है। इसी को लेकर नहला के लोगों के साथ ही हिंदू संगठन के लोगों ने सरपंच का कुएं के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यकरण के बाद ऐतिहासिक यादगार को बचाकर रखने पर आभार व्यक्त किया है। नहला गांव में साढ़े पांच सौ वर्ष ऐतिहासिक धरोहर एवं बावली कुएं की पुरानी यादें समेटे हुए हैं नहला गांव के बुजुगार्ें के मुताबिक करीब साढ़े 500 वर्ष पहले इस क्षेत्र में घना जंगल होता था। ढंढूर खेड़ा से मात्र 7 किलोमीटर दूर उन्हें एक बरसाती पानी का छोटा जोहड़ दिखाई दिया। जोहड़ के किनारे पर एक झोपड़ी में एक संत डेरा लगाकर बैठा था। बुजुर्गों ने संत तीर्थनाथ महाराज को अपनी समस्या बताई। बाबा तीर्थनाथ महाराज ने बुजुर्गों को कहा कि आप यहां पर अपना डेरा लगा लो, यहां आबादी बसने के बाद कभी गांव 'ना हिलेगा' वहीं से गांव का नाम 'ना हिलेगा' रखा गया था। धीरे-धीरे गांव का नाम 'ना हिलेगा' से बदलकर नहला हो गया। बुजुर्गों ने उन दिनों में जोहड़ पर अलग-अलग कुआं पानी के लिए बनाए और कई बुजुर्गों ने यादगार रूपी धरोहर तैयार करवाई थी, परंतु पिछले कई वर्षों से उपरोक्त धरोहर एवं कुएं खंडहर पड़े थे और उनका नामो निशान मिट रहा था।

नहला गांव में 18 हजार से अधिक की आबादी

नहला गांव राजनीतिक व प्रशासनिक स्तर पर भी हरियाणा में चर्चित रहा। यहां के विधायक से लेकर मुख्य प्रधान सचिव पद तक नेता और युवा पहुंच चुके हैं। कई अन्य बड़े-बड़े पदों पर सेवाएं दे रहे हैं और सेवानिवृत हो चुके हैं। नहला गांव की जनसंख्या 18000 से अधिक है और 7700 के करीब मतदाता है। गांव में 20 जातियों के लोग भाईचारे के साथ रहते हैं और 1400 बीघा जमीन है। बाबा तीर्थनाथ महाराज ने गांव बसने से पहले जो बुजुर्गों को बात कही थी वह आज भी सच साबित हो रही है। क्योंकि गांव में गिल गोत्र के बुजुर्ग पहले आए थे, इसलिए उनके परिवार आज भी करीब 130 के लगभग है, जबकि ढिल्लों गोत्र के परिवार 700 से अधिक हैं। प्राचीन धरोहर एवं कुंओं का अस्तित्व खत्म होता जा रहा हैं। उप तहसील के कई गांवों में कुंओं पर अवैध अतिक्रमण एवं कब्जे होने पर कुएं दिखाई नहीं देते, लेकिन नहला ग्राम पंचायत ने मात्र 8 लाख के लगभग खर्च करके तीर्थनाथ कालीन डिग्गी वाला कुआं व कई प्राचीन धरोहर जिसके जीर्णोद्घार एवं सौंदर्यीकरण के द्वारा नया रूप दिया है। जो युवा पीढ़ी के लिए प्राचीन ऐतिहासिक बचाकर रखना हमारी सोच है।

-कृष्ण कुमार ढिल्लों, सरपंच ग्राम पंचायत नहला

स्वास्थ्य कर्मचारी आज करेंगे विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर जिलेभर के स्वास्थ्य कर्मचारी सोमवार 24 जून को काले बिल्ले लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। सरकार द्वारा एनएचएम कर्मचारियों की मांगों को लेकर की जा रही अनदेखी से इन कर्मचारियों में काफी रोष है। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विपिन शर्मा ने बताया कि संगठन ने बार-बार ज्ञापन व बैठकों के माध्यम से सरकार अपनी आवाज पहुंचने का प्रयास किया है परंतु सरकार संगठन को हल्के में ले रही है जिसके चलते एनएचएम कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि 16000 हजार एनएचएम कर्मचारी पिछले 25 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में अपने उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अभी तक एनएचएम कर्मचारियों को नियमित नहीं किया गया है। एनएचएम कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें मणिपुर राज्य की तर्ज पर रेगुलर किया जाए। 2 नवंबर 2021 को तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा सातवें पे कमिशन की घोषणा को लागू किया जाए। हड़तालों का काटा गया वेतन जारी किया जाए। एनएचएम कर्मचारियों को कैशलेस आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाए। वेतन विसंगति दूर की जाए, एनएचएम कर्मचारियो को ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए।

श्रद्धालुओं को करवाया नि:शुल्क धार्मिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

श्री रामदूत सेवा मंडल की ओर से नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में निःशुल्क धार्मिक यात्रा के लिए बस रवाना की गई। बस द्वारा श्रद्धालुओं को सिरसा से सालासर एवं इच्छापूर्ण बालाजी (सरदार शहर) का भ्रमण करवाया गया। धार्मिक यात्रा के लिए बस को समाजसेवी व श्री बालाजी सेवा समिति के उपप्रधान रमेश गर्ग ने झंडी देकर रवाना किया। उनके साथ नेतराम शर्मा, केलनियां नंदीशाला के सेवक वेद भूषण गर्ग भी मौजूद थे। जानकारी देते हुए करियाणा एसोसिएशन सिरसा के प्रधान सतीश शर्मा ने बताया कि श्रीराम दूत सेवा मंडल की ओर से हर माह श्रद्धालुओं को इन धार्मिक स्थलों का बिना लाभ-हानि के भ्रमण करवाया जाता है। पिछले 15 सालों से ये सेवा चली आ रही है। उन्होंने बताया कि इस बार नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने की खुशी में श्रद्धालुओं को निर्शुल्क धार्मिक स्थलों की यात्रा करवाई गई है। इस मौके पर विजय बंसल, सुरेश गोयल, अमर सोनी, रोहताश सोनी, सतीश बंसल, अनिल जैन, अनिल गोयल, चेतन भूषण, श्यामलाल गिरिधर, कृष्ण कक्कड़ सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इग्नू ने एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए का नया पाठ्यक्रम किया लांच: डॉ. मक्कड़

- पाठ्यक्रम का उद्देश्य मैनेजमेंट के ऐसे युवाओं को तैयार करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा में स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) केंद्र के प्रभारी डॉ. नवीन मक्कड़ ने बताया कि इग्नू ने एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए का नया पाठ्यक्रम लांच किया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मैनेजमेंट के ऐसे युवाओं को तैयार करना जिनसे कृषि व्यवसाय और किसानों की आमदनी को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि, खाद्य, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में सक्षम व्यवसायिक पेशेवरों को तैयार करना है। इसका उद्देश्य पेशेवरों को विशिष्ट प्रबंधकीय कौशल से लैस करना, कृषि व्यवसाय के तकनीकी-वाणिज्यक पहलुओं के प्रबंधन में विशेषज्ञता विकसित करना और कृषि नीतियों और वैश्विक व्यापार को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना है।

पाठ्यक्रम की विशेषता

यह कोर्स नए स्नातकों, प्रगतिशील किसानों और कृषि विस्तार श्रमिकों सहित प्रतिभागियों की एक विविध श्रेणी को लक्षित करता है, और कृषि उद्योगों और कृषि इनपुट और आउटपुट से निपटने वाले उद्यमों में व्यापारियों, बिचौलियों, तकनीशियनों और प्रबंधकों को पूरा करता है। इस पाठ्यक्रम से गैर सरकारी संगठनों, सहकारी समितियों, एफपीओ, एसएचजी, कॉर्पोरेट संस्थाओं और वित्तीय और विपणन संगठनों के पेशेवरों को भी लाभ होगा। उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम की विशेषता छात्रों को प्रबंधन और कृषि व्यवसाय में व्यापक कौशल से लैस करना और कृषि व्यवसाय प्रबंधन और नीतियों, परियोजना प्रबंधन, कमोडिटी ट्रेडिंग, उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना है। इसके साथ साथ इस पाठ्यक्रम की विशेषता बागवानी उत्पादन, कटाई के बाद प्रबंधन, पशुधन और कृषि उपकरण आदि में कृषि व्यवसाय गतिविधियों के प्रबंधन पहलुओं पर विस्तृत शिक्षा प्रदान करना भी है।

धूमधाम से मनाया गया श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व

- साहिब सेवा ट्रस्ट व संगत ने श्री अखंड पाठ साहिब भोग डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

रतिया। पुराना बाजार स्थित गुरूद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में गुरू इतिहास बताते कथावाचक। *फोटो : हरिभूमि*

शहर के गुरुद्वारा पुराना बाजार में श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व श्री गुरु हरगोबिंद साहिब सेवा ट्रस्ट व संगत द्वारा आज गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब भोग डाला गया।

कार्यक्रम में गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी बाबा किशन सिंह व कथा वाचक जसवंत सिंह द्वारा गुरु इतिहास सुनाया गया। उन्होंने बताया कि गुरु साहिब के पिता गुरु अर्जन देव जी व माता गंगा के घर 19 जून 1595 गुरु की वडाली अमृतसर में जन्म हुआ। गुरु जी ने गद्दी संभालते ही मीरी एवं पीरी की दो तलवारें ग्रहण की। यहीं से सिख इतिहास एक नया मोड आया।

पिछले 27 सालों से सेवा जारी

इन्होंने ही सिख धर्म में शास्त्र विद्या शुरू की थी। इसके साथ ग्वालियर के किले में बंदी छोड़ का इतिहास भी बहुत अहम जुड़ा हुआ है। ट्रस्ट के मेंबर गुरचरन सिंह ने बताया कि श्री गुरु हरगोबिंद साहिब सेवा ट्रस्ट पिछले 27 सालों से लगातार सेवा कर रही है जिसमें अनेक सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़कर कार्य किए है। सेवा के साथ-साथ बच्चों को गुरु साहिब की दी हुई शस्त्र विद्या सीखने का कार्य अभी भी जारी है। इस मौके पर हरियाणा सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के एग्जेक्टिव मेंबर बलदेव सिंह खालसा रहनवाली, पूर्व प्रधान स्वर्ण सिंह गुरु नानक अकैडमी, गुरद्वारा अजीतसर कमेटी के प्रधान सरपंच भोला सिंह, ट्रस्ट के प्रधान बलविंदर सिंह, फतेह सिंह, जयपाल सिंह, मंजीत सिंह, कमलजीत सिंह, शीशपाल सिंह, जगजीत सिंह, मास्टर मंजीत सिंह, सिमरन सिंह, हरप्रीत सिंह भुल्लर, राहुल साहिल, जरनैल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, रूप सिंह, शेर सिंह आदि मौजूद रहे।

मकान के ताले टूटे, हजारों की नकदी व गहने चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन मकानों में हो रही चोरी से लोगों में भय का माहौल है। चोरों ने प्रोफेसर कालोनी स्थित एक मकान के ताले तोड़कर वहां से हजारों की नकदी व गहने चोरी कर लिए। रात को परिवार जब वापस घर लौटा तो उसे चोरी का पता चला। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में प्रोफेसर कालोनी फतेहाबाद निवासी राजेश कुमार ने कहा है कि गत दिवस दोपहर को वह अपने परिवार के साथ किसी काम से रतिया गया था। वह अपने मकान के मेन गेट पर ताला लगाकर गया था। देर रात को जब वह वापस घर पहुंचा तो उसने देखा कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर कपड़े व अन्य सामान बिखरा हुआ था। जब उसने सामान की जांच की तो पाया कि अज्ञात चोर उसके मकान में अलमारी में रखे 25 हजार रुपये नकद, दो जोड़ी पांजेब, 1 जोड़ी कंगन, चैन, सिक्के, दो अंगूठियां चोरी कर ले गए है। इस पर पहले उसने आसपास तलाश की लेकिन जब चोरों बारे कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले मारी टक्कर, फिर की धुनाई

- स्कूटी सवार युवकों ने मोटरसाइकिल में टक्कर मारी
- पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

रतिया में बुढलाडा रोड पर स्कूटी सवार युवकों ने पहले एक मोटरसाइकिल में टक्कर मारी और उसके बाद बाईक चालक पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल बाईक चालक का हिसार के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। शहर रतिया पुलिस को दी शिकायत में पंजाब के मानसा के गांव रियोंद खुर्द निवासी बरखा सिंह ने कहा है कि गत दिवस वह अपनी पत्नी सुखविन्द्र कौर व भाई गुरविन्द्र के साथ अपनी ससुराल गांव तामसपुर आया हुआ था। देर रात को उसकी माता ने उसे फोन कर बताया कि उसकी फरीदके निवासी नानी की मौत हो गई है।

इस पर वह अपने भाई गुरविन्द्र व जीजा नरेश कुमार निवासी मढ़ के साथ अलग-अलग मोटरसाइकिल पर सवार होकर रात को ही तामसपुर से निकल लिए।

जैसे ही वे बुढलाडा रोड, लाली टी प्वाइंट पर पहुंचे तो बुढलाडा रोड की तरफ से आ रही एक एक्टिवा चालक ने स्कूटी को गलत दिशा में तेजगति से मोड़ दिया और गुरविन्द्र सिंह के मोटरसाइकिल में साइड दे मारी। इससे गुरविन्द्र के मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे जा गिरा। इस पर स्कूटी सवार युवकों ने तैश में आकर गुरविन्द्र सिंह के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी।

इन युवकों ने वहां एक दुकान में पड़ा लोहे का सरिया उठाकर उसके सिर में मारा। जब उसने अपने भाई को छुड़वाया तो इन लोगों ने उसके साथ भी मारपेट की। उनके शोर मचाने पर युवक मौके से भाग गए। बाद में उसने गुरविन्द्र को रतिया के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से उसे रेफर कर दिया गया। बाद में उसे उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में पुलिस ने एक्टिवा सवार तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौटाला में धरनारत किसानों के बीच पहुंचे अमित सिहाग

सिरसा। धरनारत किसानों के साथ विधायक अमित सिहाग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

आसाखेड़ा माइनर को बनाने में बरती गई अनियमिताओं के खिलाफ धरनारत किसानों के बीच हलका डबवाली के विधायक अमित सिहाग पहुंचे। धरनास्थल पर पहुंचकर विधायक अमित सिहाग ने किसानों से बातचीत कर सारी स्थिति की जानकारी ली। किसानों द्वारा आसाखेड़ा माइनर को बनाने में बरती गई की अनियमताओं व उसके चलते हो रही असुविधा के विषय में विधायक को अवगत करवा समाधान करवाने की मांग रखी गई। विधायक ने मौके पर विभागीय एससी से संपर्क साध किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की। मौके पर कोई सकारात्मक हल न निकलने पर अमित सिहाग ने किसानों को अपना डेलिगेशन बना एक मांग पत्र देने को कहा, इसके साथ ही उन्होंने किसानों की मांग को चंडीगढ़ में विभागीय उच्च अधिकारियों के समक्ष रख न्याय उचित समाधान करवाने का प्रयास करने की बात कही। विधायक द्वारा धरना स्थल पर जाकर किसानों की मांगों को सुनते हुए पूरा करवाने के लिए किए गए प्रयासों तथा बनाई गई आगामी रूपरेखा पर किसानों ने संतोष व्यक्त किया।

हिसार के सर्वेश हेल्थ सिटी के डॉक्टरों की टीम ने की मेडिकल जांच

पंजाबी सभा ने लगाया नि:शुल्क मेडिकल जांच कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

रतिया। मेडिकल कैम्प में अतिथियों को सम्मानित करते पंजाबी सभा के सदस्य।

पंजाबी सभा रतिया द्वारा रविवार को भोजाराम वढेरा धर्मशाला में पंजाबी सभा के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. जीडी मेहता की स्मृति में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में हिसार के सर्वेश हेल्थ सिटी के प्रसिद्ध डॉ. उमेश कालड़ा की मल्टी स्पेशलिस्ट टीम ने अपनी सेवाएं दी और लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। इस मेडिकल कैंप में मुख्य अतिथि के तौर पर रतिया विधायक लक्ष्मण नापा और हरियाणा एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के स्पेशल सचिव सीनियर एचसीएस व पूर्व में जिला के एडीसी रहे डॉ. मनीष नागपाल ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि ब्लॉक समिति रतिया के चेयरमैन केवल मेहता व नगर पालिका चेयरपर्सन प्रीति खन्ना थे। कैम्प की अध्यक्षता पंजाबी सभा के अध्यक्ष सतीश हांडा ने की। कैंप का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा स्वर्गीय डॉ. जीडी मेहता की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित करके किया। इस कैंप के प्रोजेक्ट चेयरमैन पंजाबी सभा के महासचिव विज्ञान सागर बाघला व संयोजक डॉक्टर हंसराज व सहायक प्रोजेक्ट चेयरमैन कृष्ण तनेजा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस कैम्प में सर्वेश हेल्थ सिटी हिसार के दिमाग व हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक बंदलिश, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता, पेट, आंत व लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक सैनी, डॉ. सरिता कालरा, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, मधुमेह, छाती व टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. कुनाल नारंग, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. जितिन मेहता व शहर के प्रसिद्ध डॉक्टर नीरज कटारिया की विशेष सेवाओं को देखते हुए इस कैंप में भारी भीड़ उमड़ी तथा इस कैंप में करीब 427 लोगों ने अपने मेडिकल की जांच करवाई। इस कैंप में बीपी, शुगर, ई.सी.जी. जाँच व यथा संभव दवाईयां भी फ्री दी गई। इस अवसर पर नगरपालिका के वाईस चेयरमैन जोगिंदर नंदा, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद बांसल, अरोड़वंश सभा के अध्यक्ष अशोक ग्रोवर, परिषद के अध्यक्ष साहिल चिलाना, रविन्द्र मेहता, रतिया बार प्रधान देवेंद्र ग्रोवर, लायंस क्लब रतिया सिटी के अध्यक्ष प्रदीप बंसल, मास्टर गोपालचंद, विपिन बंसल, पार्षद प्रतिनिधि करनैल सिंह सागु, पंजाबी सभा के संरक्षक डॉ. चरणजीत मलिक, प्यारा लाल चोपड़ा, कोषाध्यक्ष संजय मक्कड़, उपाध्यक्ष हरबंस खन्ना, राम तनेजा पूर्व सरपंच, भुवनेश झण्डई, धर्मेंद्र गोस्वामी, बसंत लाल बतरा, सतीश सरदाना, अमरजीत मेहता, दिनेश मेहता, हरबंस मेहता, युवा अध्यक्ष विपिन चावला, विक्की मेहता, सुभाष चुघ सहित पंजाबी सभा के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530209, 9315429403, 9253681005